an>

title: Need to conserve and develop Rohtasgarh Fort in Rohtas district, Bihar.

* m01

श्री छेदी पासवान (सासाराम)ः:रोहतासगढ़ किला भारतवर्ष के प्राचीन एवं विशाल पहाड़ी दुर्गों में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। रोहतासगढ़ किला गया- मुगलसराय रेल खंड एवं शेरशाह सूरी पथ डेहरी ऑन-सोन से 45 कि.मी. दक्षिण पश्चिम में विंध्य पर्वत पर स्थित है। रोहतास मुख्यालय से 55 कि.मी. इसकी दूरी है। यह समुद्र तल से 1800 फीट की ऊंचाई पर कैमूर पहाड़ी पर स्थित है।

रोहतासगढ़ के इतिहास प्रमाणों से ज्ञात होता है कि इस किले का निर्माण हरिश्चन्द्र के पुत्र रोहिताश्व द्वारा कराया गया था।

लगभग 28 मील की परिधि में फैले इस किले में सराय महल, रंग महल, शीश महल, पंच महल, फूल महल, आइना महल, रानी का झरोखा, मान सिंह की कचहरी, सिंहासन कक्ष, हथिया पोल विवाह-मण्डप चौरासन, रोहिताश्व, गणेश मंदिर, फांसी घर आदि आज भी दर्शनार्थ विद्यमान है। इसमें लगभग नौ सौ पचास बड़े कमरे तथा नौ हजार छोटे कमरे हैं। इसकी बनावट पूर्णतः वैज्ञानिक ढंग से की गई है, जिससे सभी कमरों में सूर्य की किरणें सहजता से गमन कर सके। संप्रति यह आदिवासियों का तीर्थ स्थल है जहां प्रत्येक वर्ष देशभर के आदिवासी समाज का बृहत मेला लगता है।

अतः मेरा विशेष अनुरोध है कि अत्यंत महत्वपूर्ण इस प्राचीन इमारत को राष्ट्रीय महत्व की ऐतिहासिक धरोहर के रूप में अंगीकृत कर विकसित करने की कृपा की जाए।